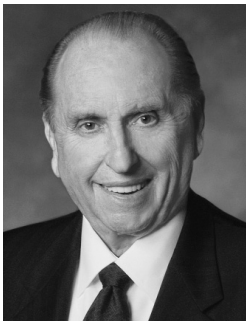

अध्यक्ष थॉमस एस. मॉनसन द्वारा

मंदिर की आशीषें

'जजै'से की हम मंदिर में उपस्थित होते है, हम में आत्मिक आयाम और शांति का एहसास आ सकता है 'जा।'

मेरे प्रिय भाईयों और बहनों, मैं आभारी हूं आपके साथ इस सुंदर ईस्टर कि सुबह में हो कर 'जज'ब हमारी सोच इस संसार के उद्धारकर्ता कि ओर है 'जा।' मैं आप सब को अपना प्रेम और अभिनन्दन विस्तृत करता हूं और अपने स्वर्गीय पिता से प्रार्थना करता हूं कि वह मेरे वचनों को प्रेरित करेगें 'जा।'

यह सम्मेलन सात वर्ष अंकित करता है 'जज'ब से मुझे गिर'जज'ा का अध्यक्ष होने का सर्मथन मिला 'जा।' यह व्यस्त वर्ष रहें है, ना केवल कुछ चुनौतियों से भरे हुए परंतु अनगिनत आशीषों से भी 'जा।' इन आशीषों में से सबसे सुखद और पवित्र मेरा अवसर मंदिरों को समर्पित और पुनःसमर्पित करना रहा है 'जा।'

हाल ही में, इस गए नवम्बर में मुझे सौभाग्य प्राप्त हुआ सुंदर न्यू ऐरि'जज'ाना के मंदिर को समर्पित करने का 'जा।' मेरे साथ अध्यक्ष डिटयर एफ. उकडॉफ ,एलडर डैलिन एच औक्स, एलडर रिचर्ड 'जजै' मैन्स, एलडर लिन 'जज'ा रौबिंस और एलडर कैंट एफ रिचर्डस सम्मिलित हुए 'जा।' समर्पण से पहले की संध्या, एक सांस्कृतिक अदभुत उत्सव हुआ ि'जज'समें हमारे से अधिक मंदिर की ि'जज'ला के युवा ने सुंदरता से प्रदर्शन किया 'जा।' उसके अगले दिन मंदिर का समर्पण तीन पवित्र और प्ररित सत्रों में किया गया 'जा।'

मंदिरों का बनना साफ तौर से गिर'जज' के विकास कि ओर संकेत है 'जा।' हमारे पास इस समय 144 मंदिर संसारभर में संचालन में है , साथ में 5 पुनर्निर्मित हो रहे है और 13 निर्माण के तेहत में है 'जा।' इसके अतिरिक्त , 13 मंदिर ि'जज'नकी पिछली बार घोषणा की थी निर्माण के विभिन्न चरणों की तैयारी में है 'जा।' इस वर्ष हम दो मंदिरों को पुनःसमर्पित करने की उम्मीद कर रहे है और पाँच नये समर्पित मंदिर 'जज'ा कि कार्य पूर्णता की सूची में है 'जा।'

पिछले दो वर्षों से , 'जजै'से की हमने अपने प्रयासों को उन मंदिरो को पूरा करने में केद्रित किया है ि'जज'नकी घोषणा पहले करी गई,हमने किसा भी अन्य अतिरिक्त मंदिरों की यो'जज'ना का स्थगन किया है 'जा।' हालांकि, आ'जज' सुबह, मैं बहुत प्रसन्न हूं तीन और नऐं मंदिरो की घोषणा करते हुए 'जज'ा कि निम्नांकित स्थानों पर बनाये 'जज'ाएगें — अबिद'जज'ान, आईवरी कोस्टः पोर्ट-औ-प्रिंस,हैटी, और बैंककोक,थाईलेंड 'जा।' कितनी ही अदभुत आशीषें हमारे विश्वसनीय सदस्यों के लिए इन क्षेत्रों में भरी है और वास्तव में संसार भर में 'जज'हां मंदिर स्थित है 'जा।'

अतिरिक्त मंदिरों कि निधारित आवश्यकताऐं और स्थानों को ढूंढने की प्रक्रिया 'जज'ारी है, क्योंकि हम यह इच्छा रखते है कि ि'जज'तने अधिक हो सके सदस्यों को अवसर प्राप्त हो मंदिर 'जज'ाने का बिना किसी समय और साधन बलिदान के 'जा।' 'जजै'सा की हमने पहले किया है, हम आपको इस विषय के लिये हुए निर्णयों के बारे में सूचित करते रहेंगें 'जा।'

'जज'ब भी मैं मंदिरों के बारे में सोचता हूं, मेरी सोच बहुत सी उन आशीषों की ओर 'जज'ाती है 'जज'ा हमें वहां प्राप्त होती है 'जा।' 'जजै'से ही हम दरवा'जजै' से मंदिर में प्रवेश करते है , हम इस संसार की व्याकुलता और उलझन को पीधे छोडते है 'जा।' इस पवित्र स्थल के अंदर , हम सुंदरता और क्रम को पाते है 'जा।' इस में हमारी आत्माओं के लिए शांति और एक विराम है हमारे 'जज'ीवन की चिन्ताओं से 'जा।'

'जज'ब हम मंदिर 'जज'ाते है , हमारे पास एक आत्मिक आयाम आ सकता है और एक शांति का एहसास 'जज'ा कि किसी और एहसास से बढकर होता है 'जज'ा कि मानव 'जज'ाति के हृदय में आ सकता है 'जा।' हम उद्धारकर्ता के वचनों के सही अर्थ को लेंगे 'जज'ब उन्होने कहां ,'ज''ज''में तुम्हें शांति दिये 'जज'ाता हूं, अपनी शांति तुम्हें देता हूं—–मैं तुम्हें नही देता, तुम्हारा मन ना घबराये और ना डरे'जा।''ज''ज''[1]

ऐसी शांति किसी भी मन को व्यापत कर देती है —मन 'जज'ा दुखी है , मन 'जज'ा शोक से बोझित है, मन 'जज'ा उलझन को महसूस करते है, मन 'जज'ा मदद का निवेदन करते है 'जा।'

हाल ही में मैने सीखा एक प्रत्यक्ष युवक के बारे में 'जज'ाकि मंदिर गया एक मन से 'जज'ा मदद मांग रहा था 'जा।' काफी महीनें पहलें उसेसाउथ अमेरिका के मिश्न में सेवा कि बुलाहट आई 'जा।' किंतु उसके वि'जजै' में लंबे समय के लिए देरी हुई और उसे फिर संयुक्त राज्य में मिश्न दिया गया 'जा।' हालांकि निराश इस से की वह अपने मूल बुलाहट के क्षेत्र में सेवा नही कर सका , फिर भी उसनेअपने नए कार्यभार पर कार्य शुरू किया, अपनी योग्यता से बेहतर करने के लिए समर्पित हुआ 'जा।' वह निराश हो गया, तब भी , क्योंकि उसके कुछ

प्रचारकों के साथ बुरे अनुभव रहे 'जज'ो कि उसे लगा कि अच्छा समय बिताना में रूचि रखते थे ना की सुसमाचार बांटने में 'ज।'

कुछ ही महीनों में इस युवक को एक गंभीर शाररिक चुनौति का सामना करना पडा ि'जज'सने उसे आंशिक रूप से लकवा मा गया और इसलिए उसे वापस चिकित्सा छुट्टी पर घर भे'जज' दिया गया 'ज।'

कुछ महीनों बाद वह युवक पूरी तरह से चंगा हो गया, और उसका लकवा भी गायब हो गया 'ज।' उसे सूचित किया गया की वह एक बार फिर से प्रचारक के रूप में सेवा कर सकता है, एक आशीष ि'जज'सके लिए वह हर दिन प्रार्थना करता था 'ज।' केवल एक निराशा'जज'नक समाचार था कि उसे वापस उसी मिश्न पर 'जज'ाना था ि'जज'से वह छोड कर आया था, 'जज'हां उसे महसूस हुआ कि कुछ प्रचारकों के व्यवहार और भाव उस से कुछ कम थे ि'जज'तने होने चाहिए थे 'ज।'

वह मंदिर आराम ढूंढने और एक पुष्टिकरण कि वह अच्छे प्रचारक का अनुभव करने के लिए आया था 'ज।' उसके माता पिता ने भी मंदिर में प्रार्थना करी की इस मंदिर में आना उनके पुत्र को वह मदद प्राप्त कराएगा ि'जज'सकी उसे आवश्यकता है 'ज।'

'जजै'से ही वह युवक सैल्सटियल रूम में आधिवेशन के बाद दाखिल हुआ, वह एक कुर्सी में बैठा और मार्गदर्शन के लिए अपने स्वर्गीय पिता से प्राथर्ना की 'ज।'

और एक युवक ि'जज'सका नाम लैडन था ने सैल्सटीयल कमरे में कुछ देर बाद प्रवेश किया 'ज।' 'जजै'से ही वह कमरे में चलने लगा उसका ध्यान तुरंत उस युवक की ओर 'जज'ाता है 'जज'ो कुर्सी पर बैठा है, आंखे वंद और स्पष्ट रूप से प्रार्थना कर रहा था 'ज।'अनिश्चित के बीच, किंतु, मैनें प्रतीक्षा करने का निश्चय किया 'ज।' काफी मिनट बीत चुके थे और यह युवक अभी भी प्रार्थना कर रहा था 'ज।' लैडन 'जज'ानता छा की वह इस फुसफसाहट को और नही टाल सकता था 'ज।' वह यविक के पास गया और उसके कंधे को निर्मलता से छुआ 'ज।' युवक ने अपनी आंखे खोली , चौकते हुए की उन्हें परेशान किया गया है 'ज।' लै'जज'न ने कहां धीरे से कहां, 'ज''ज''मैं प्रभावित हुआ हूं आप से बात करने को, 'जज'बकि मैं 'जज'ानता नही क्यों 'ज।''ज''ज''

'जज'ब उन्होने बात करना शुरू किया , उस युवक ने अपना मन लैनडन को उंडेल दिया, अपने हालात समझाते हुए और अपनी इच्छा अपने मिश्न के आराम और प्रोत्साहन के प्रति अंत होते हुए 'ज।'लैनडन 'जज'ो कि एक सफल मिशन से एक साल पहले आया था, अपने मिश्न के अनुभव को बांटा, चुनौतियों और चिंताऐं 'जज'ो उसने देखी, उस व्यवहार में ि'जज'ससे वह प्रभु के पास मदद के लिए वापस गया, आशीषें 'जज'ो उसे प्राप्त हुई 'ज।' उसके शब्द 'जज'ो कि आरामदायक और आश्वस्त , और उसका 'जज'ोश मिशन के प्रति संक्रामक था 'ज।' आखिरकार, 'जजै'से उसका डर कम हुआ, एक शांति का एहसास उस युवक को हुआ 'ज।' उसने आभार प्रतीत किया क्योंकि उसे उसकी प्रार्थना का उत्तर प्राप्त हो गया था 'ज।'

उन देनों युवकों ने साथ में प्रार्थना की , और फिर लैंडन 'जज'ाने के लिए तैयार हो गया, खुश की उसने अपनी प्रेरणा को सुना 'जज'ो उसे आई 'ज।' 'जजै'से ही वह 'जज'ाने के लिए खडा हुआ, युवक ने लैंडन से पूछा आपने अपना मिशन कहां किया'ज।''ज''ज'' इस क्षण तक, किसा ने यह नही बताया था की उन्होने मिशन में सेवा कहां की 'ज।' 'जज'ब लैंडन ने अपने मिशन का नाम बताया, उस युवक की आखों से आंसू झलक गए 'ज।' लैंडन ने अपने मिशन की सेवकाई उसी में की 'जज'हां यह युवक वापस 'जज'ा रहा था 'ज।'

हाल ही के एक पत्र में मुझे , लैंडन ने मुझसे एक युवक के अलग होने के वचनों को बांटा,'ज''ज''मुझे विशवास था की परमेशवर मुझे आशीष देगा, पुंरतु मैं कभी कल्पना नही कर सकता वह किसी ऐसे को मेरी मदद रे लिए भे'जजै'गा ि'जज'सने मेरे अपने मिशन कीसेवा की है 'ज।' मैं अब 'जज'ानता हूं कि सब ठीक हो 'जज'ाएगा 'ज।'[2] एक नम्र प्रार्थना एक सच्चे मन की सुनी गई और 'जज'वाब मिला 'ज।'

मेरे भाईयों और बहनों, हमारे 'जजी'वन में प्रलोभन रहेगाः हमारे लिए मुसीबतें और चुनौतियाँ होंगी 'ज।' 'जज'ब हम मंदिर 'जज'ाते है, 'जज'ब हम उन अनुबंधो को याद करते है 'जज'ो हमने वहां लिए थे, हम बेहतर कर उन प्रलोभनों और उन मुसीबतों पर काबू पा सकेंगें 'ज।' मंदिर में हमें शांति प्राप्त होती है 'ज।'

मंदिर कि आशीषें अनमोल है 'ज।' एक ि'जज'सके लिए मैं 'जजी'वन के हर दिन आभार प्रकट करता हूं मेरी प्रिय पत्नी फ्रासीस, ि'जज'से मैंने प्राप्त किया 'जज'ब हम आल्टर के पास घुटने झुका कर और अनुबंधो को लिया 'जज'ो हमें अनंत 'जजी'वन तक बांधते है 'ज।' इससे अनमोल मेरे लिए कोई आशीष नही और वह आराम 'जज'ो मुझे उस ज्ञान से प्राप्त होता है की वह और मैं फिर से साथ होंगें 'ज।'

हमारे स्वर्गीय पिता हमें आशीष दें की हम में मंदिर महिमा कि आत्मा हो , की हम आज्ञाकारी हो उसकी आज्ञा के, और हम सावधानी से अपने प्रभु और उद्धारकर्ता,यीशु मसीह को कदमों का अनुसरण करें 'ज।' मैं गवाही देता हूं कि वह हमारा मुक्तिदाता है'ज।' वह परमेश्वर का पुत्र है 'ज।' यह वह है 'जज'ो की पहली ईस्टर की सुबह कबर से बाहर आया, अपने साथ अनंत 'जजी'वन का भेंट परमेश्वर के सब बच्चों के लिए 'ज।' आ'जज' के इस सुंदर दिन, 'जजै'से की हम उस महत्वपूर्ण घटना को मनाते है, उसने हमें अपनी महान और अद्रभूत भेंट दी ि'जज'सके लिए हमें उसे धन्यवाद की प्रार्थना अर्पण करनी चाहिए 'ज।' और ऐसा ही हो, मैं प्रार्थना करता हूं उसके पवित्र नाम में आमीन 'ज।'

विवरण

1. यहून्ना 14:27 ।
2. लिखा पढी थॉमस एस. मॉनसन के अधिकार में है 'ज।'

हमारे समय के लिए शिक्षाएं

मई से अक्टूबर तक, चौथे रविवार को मलकिसिदक पौरोहित्य और सहायता संस्था का शिक्षण अप्रैल के महा सम्मेलन की एक या अधिक वार्ताओं में से तैयार करना चाहिए 'जा।'

अक्टूबर में, वार्ताएिं किसा भी अप्रैल या अक्टूबर के महा सम्मेलन से ली 'जज'ा सकती है 'जा।' स्टैक या ि'जज'ला अध्यक्ष को अपने क्षेत्र में प्रयुक्त होने वाली वार्ताओं को चुनना चाहिए, या वे इस उत्तरदायित्व को बिशपऔर शाखा अध्यक्ष में बांट दे 'जा।'

यह वार्ताएिं कई भाषाओं में उपलब्ध है 'जा।'

© 2015 Intellectual Reserve, Inc. द्वारा सर्वाधिकार सुरक्षित । भारत में छपी । अंग्रेजी अनुमति : 6/14 । अनुवाद अनुमति : 6/14 । *First Presidency Message, May 2015* का अनुवाद । Hindi । 12865 294

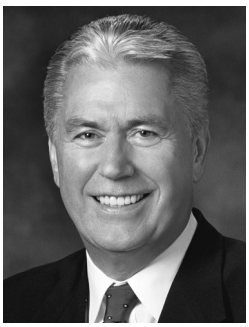

अध्यक्ष डिटयर एफ.उकडॉफ द्वारा
प्रथम अध्यक्षता में द्वितीये सलाहकार

अनुग्रह का उपहार

आ'जज' और हमेशा के लिए परमेश्वर का अनुग्रह उन सबके लिये उपलब्ध है ि'जज'नके पास टूटे हृदय और शौकार्त आत्माएं है 'जा'

ईस्टर रविवार को हम संसार के इतिहास की बहु-प्रतिक्षित और यशस्वी घटना को मनाते हैं 'जा'

यह ऐसा दिन है ि'जज'सने सबकुछ बदल दिया 'जा'

उस दिन मेरा 'जज'ीवन बदल गया 'जा'

आपका 'जज'ीवन बदल गया 'जा'

परमेश्वर के सभी बच्चों का भाग बदल गया'जा'

उस आशिषित दिन, मानव'जज'ाति के उद्धारकर्ता , ि'जज'सने अपने ऊपर पाप और मृत्यु का बोझ ले लिया ि'जज'सने हमें कैद कर रखा था,बोझ पर वि'जज'य प्राप्त की और हमें आ'जज'ाद किया 'जा'

हमारे प्रिय मुक्तिदाता के बलिदान के कारण, मृत्यु का डंक 'जज'ाता रहा, मृत्यु की हार हुई, शैतान की शक्ति स्थाई नही रहीं,[1] और 'ज''ज'' यीशु मसीह के मरे हुओं में से 'जज'ी उठने दवारा, ...हमें 'जज'ीवित आशा के लिये नया 'जज'न्म दिया 'जा''ज''ज''[2]

सच में ,प्रेरित पौलुस सही था 'जज'ब उसने कहा था हम 'ज''ज'' इन बातों से एक दूसरे को शांति दे सकते हैं'जा''ज''ज''[3]

परमेश्वर का अनुग्रह

हम अक्सर उद्धारकर्ता के प्रायशित के बारे में कहते हैं— और हम ऐसा ठीक करते हैं 'जा'

याकूब के शब्दों में, 'ज''ज'' हम मसीह के प्रायशित के बारे में बातें क्यों न करें, और उसके परिपूर्ण ज्ञान को उसी प्रकार प्राप्त करें,'ज''ज''लेकिन 'जज'ब हम हर मौके पर 'ज''ज''मसीह के विषय में बात करते, ...मसीह में अनंदित होते,...मसीह का प्रचार करते, और मसीह की भविष्यवाणी करते'ज''ज'', हमें कभी भी परमेश्वर के पुत्र के अनंत बलिदान के प्रति हमारी आदर भावना और अथाह आभार को नहीं भूलना चाहिए 'जा'

उद्धारकर्ता का प्रायशित हमारी शिक्षा में , हमारी बातचीत में, या हमारे हृदयों में मामूली बात नही हो सकती 'जा' यह पावन और पवित्र है, क्योंकि यह 'ज''ज''महान और आखिरी बलिदान 'ज''ज'' 'जज'ी यीशु मसीह ने दिया 'ज''ज''उन सभी के लिए उद्धार लाएगा 'जज'ी उसके नाम में विश्वास करेंगें 'जा''ज''ज''[6]

मुझे यह विचार करके आश्चर्य होता है कि परमेश्वर का पुत्र हमें बचाने के लिये स्वर्ग से नीचे उत्तर आया, 'जज'बकि हम प्रायः अपूर्ण,अशुद्ध,गलती करने वाले, और धन्यवाद न देने वाले होते हैं 'जा' मैंने अपने सीमित ज्ञान से उद्धारकता के प्रायशित को समझ ने की कोशिश की है , और एकमात्र व्याख्या 'जज'ी मुझे समझ आई है : परमेश्वर हम से प्रगाढ, परिपूर्ण, और अनंत प्रेम करता है 'जा' मैं 'ज''ज''मसीह के प्रेम की चौडाई , और लंबाई , और गहराई , और ऊंचाई 'ज''ज''..का अनुमान भी नही लगा सकता 'जा'[7]

उस प्रेम की प्रभावशाली व्याख्या धर्मशास्त्रों में अक्सर 'ज''ज''परमेश्वर का अनुग्रह'ज''ज'' के रूप में की 'जज'ाती है— दिव्य सहायता और शक्ति का उपहार ि'जज'सके दवारा हम दोषयुक्त और सीमित 'जज'न से सच्चाई और प्रकाश में उत्कृष्ट 'जज'न में विकसित हो कर, हम सच्चाई में महिमापूर्ण और सब ची'जज'ों का ज्ञान प्राप्त कर लेते हैं 'जा''ज''ज''[8]

परमेश्वर का अनुग्रह बहुत शानदार है 'जा' फिर भी इसे बहुधा गलत समझा 'जज'ाता है 'जा'[9] तो भी, हमें परमेश्वर के अनुग्रह बारे में मालूम होना चाहिए यदि हम 'जज'ानना चाहते है कि उसके अनंत राज्य में हमारे लिए, क्या तैयार किया गया है 'जा'

इस कारण मैं अनुग्रह के विषय में बोलता हूं 'जा' विशेष रूप से, पहला, कैसे अनुग्रह स्वर्ग के दवार खोलता है, और दूसरा, कैसे यह स्वर्ग की खिडकियां खोलता है 'जा'

पहला: स्वर्ग के दवार खोलता है,

क्योंकि हम सबों ने 'ज''ज'' पाप किया है, और हम परमेश्वर की महिमा से रहित है,'ज''ज''[10] और क्योंकि 'ज''ज'' परमेश्वर के राज्य में कोई अशुद्ध वस्तु प्रवेश नही कर सकती ,'ज''ज''[11] हम में से प्रत्येक उसकी उपस्थिति में वापस 'जज'ाने के आयोग्य है 'जा'

यदयपि हम अपनी संपूर्ण आत्मा से परमेश्वर की सेवा करें, यह काफी नही हैं ,क्योंकि हम फिर भी उसके 'ज''ज'' लाभहीन सेवक रहेगें'जा''ज''ज''[12] हम स्वर्ग में वापस 'जज'ाने के योग्य नही हो सकते, न्याय की मांग अवरोध डालती है, ि'जज'से पार करना हमारी स्वंय की शक्ति में नहीं है 'जा'

लेकिन सब खोया नहीं है 'जा'

परमेश्वर का अनुग्रह हमारी महान और अनंत आशा है 'ज।'

यीशु मसीह के बलिदान के दवारा, दया की यो'जज'ना न्याय की मांग को पूरा करती है,[13] 'ज''ज'' और मनुष्य के लिए साधन उपलब्ध कराती है ताकि पश्चात्ताप के लिए उन में विश्वास हो सके 'ज।''ज''ज''[14]

हमारे पाप बेशक लाल क्यों न हो , हिम के समान सफेद हो 'जज'ाएंगें 'ज।'[15] क्योंकि हमारे प्रिय उद्धारकता ने ,'ज''ज''स्वंय को हम सबो का मूल्य चुकाने के लिये दे दिया[16], ताकि हम उसके अनंत राज्य में प्रवेश कर पाएं 'ज।'[17]

यह दवार खुल गया है 'ज।'

लेकिन परमेश्वर का अनुग्रह मात्र हमें हमारी पुरानी निर्दोष अवस्था में वापस नहीं लौटाता है 'ज।' यदि उदधार का अर्थ हमारी गलतियों और पापों को केवल मिटाना होता, तो उदधार 'जजै'सा यह अदभुत यह है—हमारे लिए पिता की महत्वकांक्षाओं को पूरा नही करता 'ज।' उसका उदेश्य इससे अधिक है : वह चाहता है उसके बेटे और बेटियां उसके समान बनें 'ज।'

परमेश्वर के अनुग्रह के उपहार के साथ, शिष्यता का मार्ग पीछे नही ले 'जज'ाताः यह ऊपर की ओर ले 'जज'ाता है 'ज।'

यह इतनी ऊचाइयों में ले 'जज'ाता है ि'जज'तनी हम कल्पना भी नही कर सकते 'ज।' यह हमारे स्वर्गीय पिता के राज्य में उत्कर्ष की ओर ले 'जज'ाता है, 'जज'हां हम , अपने प्रिय 'जज'नों के बीच,'ज''ज'' उसकी परिपूर्णता, और उसकी महिमा को 'ज''ज'' प्राप्त करते है 'ज।'[18] सब ची'जजें' हमारी है, और हम मसीह के हैं[19] 'ज।' सच में, 'जज'ो कुछ पिता के पास हमें दिया 'जज'ाएगा 'ज।'[20]

इस विरासत को पाने के लिए, हमें एक खुले दवार के अधिक चाहिएः हमें इस दवार से बदलने की इच्छा वाले हृदय के साथ प्रवेश करना चाहिए–एक ऐसा बदलाव ि'जज'सकी धर्मशास्त्र इस तरह व्याख्या करते है 'ज''ज'' फिर से 'जज'न्म लेना चाहिए, हां परमेश्वर से 'जज'न्मा , अपनी सांसारिक और पतित अवस्था से बदल कर , धार्मिक अवस्था, परमेश्वर दवारा मुक्त किये गए , उसके बेटे और बेंटियां बन कर 'ज।'[21]

दूसराः अनुग्रह की खिडकिया खोलता हैं

परमेश्वर के अनुग्रह का अन्य तत्व है स्वर्ग की खिडकियां खोलना, ि'जज'सके दवारा परमेश्वर बल और शक्ति की आशीषें उंडेलता है, ि'जज'ससे हम उन ची'जज'ों को प्राप्त करने योग्य बनते ि'जज'न्हें पाना हमारे लिये अन्यथा कठिन था 'ज।' यह परमेश्वर का अदभुत अनुग्रह है ि'जज'सके दवारा उसके बच्चे शैतान के खतरनाक और छिपे हुए प्रलोभनों पर वि'जज'य प्राप्त करते, पाप से ऊपर उठते, और 'ज''ज'मसीह में परिपूर्ण बनते है 'ज।''ज''ज''[22]

यदयपि हम सभी में कम'जज'ोरियां है, हम इन पर वि'जज'य प्राप्त कर सकते है 'ज।' अवश्य ही यह परमेश्वर के अनुग्रह के दवारा होता है, यदि हम स्वंय को विनम्र बनाते और विश्वास रखते है, तो दुर्बलताएं म'जज'बूत बन 'जज'ाती है 'ज।'[23]

हमारे 'जज'ीवन भर, परमेश्वर का अनुग्रह सांसारिक आशीषें और आत्मिक उपहारों को प्रदान करता है 'जज'ोकि हमारी योग्यताओं को बढाता और हमारे 'जज'ीवन को समृदध करता है 'ज।' उसका अनुग्रह हमें शुदध करता है 'ज।' उसका अनुग्रह हमें हमारा सर्वोत्तम बनने में मदद करता है 'ज।'

कौन योग्य हो सकता है ?

बाइबिल में हम मसीह के शमौन, फरिसी के घर 'जज'ाने के विषय में पढते हैं 'ज।'

बाहर से, शमौन भला और सच्चा पुरूष लगता था 'ज।' वह नियमित रूप से अपने सभी धार्मिक दायित्वों को पूरा किया करता थाःवह नियम का पालन करता, अपना दसमांश देता, सब्त दिन को पवित्र रखता, प्रतिदिन प्रार्थना करता, और आराधनालय 'जज'ाता था'ज।'

लेकिन 'जज'ब यीशु शमौन के साथ था, एक स्त्री उसके निकट आई, उद्धारकर्ता के पैर अपने आंसुओं से धोये और उसके पैरों पर उत्तम तैल लगाया 'ज।'

शमौन इस तरह की उपासना से प्रसन्न नही हुआ, क्योंकि वह 'जज'ानता था कि वह स्त्री पापी थी 'ज।' शमौन ने सोचा यदि यीशु इसे नही 'जज'ानता, तो वह भविष्यवक्ता नही हो सकता या इस स्त्री को स्वंय को छुने नही देता 'ज।'

उसकी मन की बात 'जज'ानकर, यीशु शमौन की ओर मुडा और एक प्रश्न पूछा, 'ज''ज'' किसी महा'जज'न के दो देनदार थे ....एक पांच सौ..दूसरा पचास दीनार का देनदार था 'ज।'

'ज''ज''और 'जज'ब उन (दोनों) के पास देने के लिए कुछ ना रहा, तो उस ने दोनो को क्षमा कर दियाः सो उनमें से कौन उससे अधिक प्रेम रखेगा ?'ज''ज''

शमौन ने उत्तर दिया, मेरी समझ में वह ि'जज'सका उसने अधिक क्षमा कर दिया था 'ज।'

फिर यीशु ने एक गहन सबक सिखायाः 'ज''ज''क्या तू इस स्त्री को देखता है 'ज।'...इसके पाप 'जज'ो बहुत थे,क्षमा हुए, क्योंकि इसने बहुत प्रेम कियाः पर ि'जज'स का थोडा क्षमा हुआ है, वह थोडा प्रेम करता है 'ज।''ज''ज''

इन दोनो मे से हम किन लोगों के समान है ?

क्या हम शमौन के समान है? क्या हम अपनी स्वंय की धार्मिकता में भरोसा करते हुए, अपने अच्छे कामों में निडर और अनंदित हैं? क्या हम उनके साथ थोडे बेचैन हैं 'जज'ो हमारे स्तरों को अनुसार नही 'जज'ा रहे हैं ? क्या हम स्वतः बिना सोचे विचार अपनी सभाओं में उपस्थित होते हैं , क्या सुसमाचार के की कक्षा में उबासियां लेते हैं, क्या हम प्रभुभो'जज' सभा में अपने फोन देखते रहते है?

या फिर हम इस स्त्री के समान है , 'जज'ो ि'जज'सने सोचा था कि पाप के कारण वह पूर्णरूप से और निराशा'जज'नकरूप से खो चुकी थी ?

क्या हम उतना ही प्रेम करते है ?

क्या हम स्वर्गीय पिता के प्रति अपने आभार को समझते और अपनी संमपूर्ण आत्मा से उसके अनुग्रह की मांग करते हैं ?

'जज'ब हम प्रार्थना के लिए झुकते है, क्या हम अपनी स्वंय की धार्मिकता को सर्वोत्तम

कार्यों को याद करते है , या इसमें अपनी गलतियों को स्वीकार करते हुए परमेश्वर के अनुग्रह की याचना करते, और मुक्ति की अदभुत यो'जज'ना के लिए आभार के आंसू बहाते है ?[25]

उदधार को आज्ञाकारिता के आधार पर नही खरीदा 'जज'ा सकता हैः इसे परमेश्वर के पुत्र के लहू दवारा खरीदा 'जज'ाता है 'जा।'[26] यह सोचना कि हम अपने अच्छे कार्यों के बदले उदधार प्राप्तत कर सकते है ऐसा 'जजै'से हवाई 'जज'हा'जज' का टिकट खरीदना और फिर सोचना हम हवाई कंपनी के मालिक बन गए है 'जा।' या सोचना घर का किराया देने के बाद हम संपूर्ण पृथ्वी के मालिक बन गए हैं 'जा।'

फिर आज्ञा क्यों माने ?

यदि अनुग्रह परमेश्वर का उपहार है, फिर क्यों परमेश्वर की आज्ञाओं का पालन करना इतना महत्वपूर्ण है? परमेश्वर की आज्ञाओं की चिंता क्यों करें—या पश्चात्ताप करें, इनसे क्या फर्क पडता है? क्यों न सिर्फ स्वीकार करें कि हम पापी हैं और परमेश्वर को हमें बचाने दें ?

या, पौलुस के शब्दों में प्रश्न रखें,'ज''ज''क्या हम पाप करते रहें, कि अनुग्रह ही काफी हैं? पौलुस का 'जज'वाब सरल हैः 'ज''ज''बिलकुल भी नहीं 'जा।''ज''ज''[27]

भाईयों और बहनों, हम परमेश्वर की आज्ञाओं का पालन —उसके प्रति प्रेम के कारण करते है 'जा।'

अपने संपूर्ण हृदय और मन से परमेश्वर के उपहार अनुग्रह को समझने का कोशिश से हम सबों को विनम्रता और आभार से अपने स्वर्गीय पिता से प्रेम और आज्ञा पालन करने के बहुत से कारण मिलते हैं 'जा।' 'जज'ब हम शिष्यता के मार्ग में चलते हैं,यह हमें शुदध करता, यह हम में सुधार लाता, यह उसके समान बनने में मदद करता, और यह हमें उसकी उपस्थिति में वापस ले 'जज'ाता है'जा।' 'ज''ज'' सर्वशक्तिमान प्रभु (हमारे परमेश्वर) की आत्मा ने हमारे भीतर यानि हमारे हृदय में एक महान परिवर्तन कर दिया है, कि हम शैतान के कार्यों को नही करेंगें, लेकिन निरंतर भले ही कार्य करेंगें 'जा।''ज''ज''[28]

इसलिये , परमेश्वर की आज्ञाओं के प्रति आज्ञाकरिता परमेश्वर की भलाई के लिये हमारे अंतहीन प्रेम और आभार के परिणाम स्वरूप आती है 'जा।' सच्चे प्रेम और आभार का यह रूप चमत्कारिक ढंग से हमारे कार्यों का परमेश्वर के अनुग्रह में विलय कर देता है'जा।' सदगुण हमेशा हमारे विचारों में रहेगा, और परमेश्वर के सम्मुख हमारा विश्वास म'जज'बूत होगा 'जा।'[29]

प्रिय भाईयों और बहनों, विशवसनीयरूप से सुसमाचार को 'जज'ाना बोझ नही हैं 'जा।' यह एक आनंनदायक अभ्यास है—अनंतता की महान महिमा को पाने की तैयारी 'जा।' हम अपने स्वर्गीय पिता का आज्ञापालन करतें है क्योंकि हमारी आत्माएं आत्मिक बातों को अच्छी तरह ग्रहण करेंगी 'जा।' हम उन बातों को समझेंगें ि'जज'नकी हमने पहले कल्पना भी नही की थी 'जा।'[30]

अनुग्रह परमेश्वर का उपहार है, और परमेश्वर की प्रत्येक आज्ञा का पालन करने की इच्छा से हम स्वर्गीय पिता को बताते हैं कि हम इस पवित्र उपहार को पाना चाहते हैं 'जा।'

सब 'जज'ा हम कर सकते हैं

भविष्यवक्ता नफी ने परमेश्वर के अनुग्रह को समझने में एक महत्वपूर्ण योगदान दिया था 'जज'ब उसने बताया था, 'ज''ज'' हम परिश्रम करके ...अपने वंश'जज'ा और भाईयों को मसीह में विश्वास करा सकें , और परमेश्वर के साथ मेल कर लें क्योंकि हम 'जज'ानते है कि हम 'जज'ा कर सकते, उन सब को करने के पश्चात भी हम उसके अनुग्रह दवारा बचाए गए है 'जा।''ज''ज''[31]

हालांकि, मुझे आश्चर्य होता यदि कभी-कभी 'ज''ज''हम 'जज'ा कर सकते हैं, उन सब को करने के पश्चात'ज''ज'' का गलत अर्थ लगाते हैं 'जा।' हमें समझना चाहिए कि 'ज''ज'' पश्चात 'ज''ज'' का अर्थ 'ज''ज''के कारण 'ज''ज'' नही हैं 'जा।'

हम सबकुछ करने के 'ज''ज''कारण'ज''ज'' नही बचाए गये है 'जा।' क्या हम में किसी ने वह सब कर लिया है 'जज'ा हमारे बस में हैं? क्या परमेश्वर प्रतिक्षा करता है कि 'जज'बतक हम हर संभव प्रयास न कर लें, तबतक वह अपने बचाने वाले अनुग्रह के साथ वह हमारे 'जज'ीवनों में हस्तक्षेप नही करेगा 'जा।'

बहुत से लोग निराशा महसूस करते है क्योंकि वे आज्ञाकारिता में निरंतर असफल रहते हैं 'जा।' वे अनुभव से 'जज'ानते हैं कि 'ज''ज'' औत्मा तो तैयार है,परंतु शरीर दुर्बल है 'जा।''ज''ज''[32] वे नफी के साथ अपनी वाणियों को उठाते हुए घोषणा करते हैं,'ज''ज''मेरे दुष्कर्मों के कारण मेरी आत्मा दुखी होती है 'जा।''ज''ज''[33]

मैं निश्चित हूं नफी 'जज'ानता था कि उद्धारकर्ता का अनुग्रह पाप पर वि'जज'य प्राप्त करने के लिए अनुमति देता और योग्य बनाता है'जा।' इसी कारण नफी ने अपने वंश'जज'ा और भाईयों को 'ज''ज''मसीह में विश्वास करने, और परमेश्वर से मेल करने के लिये 'ज''ज'' इतना परिश्रम किया था 'जा।'[35]

यह सब करने के पश्चात 'जज'ा हम कर सकते है 'जा।' और यह सब नश्वरता में हमारा कार्य हैं 'जा।'

अनुग्रह सबके लिये उपलब्ध है

'जज'ब मैं उन सब विचार करता हूं 'जज'ा उद्धारकर्ता ने उस प्रथम ईस्टर से पूर्व किया था, मैं आवा'जज' को ऊंचा उठाना चाहता और परम प्रधान परमेश्वर और उसके पुत्र, यीशु मसीह की प्रशंसा करना चाहता हूं 'जा।'

स्वर्ग के दवार खुले है 'जा।'

स्वर्ग की खिडकियां खुली है 'जा।'

आ'जज' और हमेशा के लिए परमेश्वर का अनुग्रह उन सब के लिए उपलब्ध है ि'जज'नके पास टूटे हृदय और शौकार्त आत्माएं है 'जा।'[36] यीशु मसीह ने हमारे लिए विकास की उन ऊचांई पाना संभव किया है ि'जज'न्हें समझना मनुष्य चित्त के लिये कठिन है 'जा।'[37]

मैं प्रार्थना करता हूं कि हम सब नई आंखों और नये हृदय से के प्रायश्चित बलिदान के अनंत महत्व को देखेंगें 'जा।' मैं प्रार्थना करता हूं हम परमेश्वर को अपना प्रेम और परमेश्वर

के असीमित अनुग्रह को उपहार के प्रति अपना आभार उसकी आज्ञाओं का पालन करके प्रदर्शित करेगें और आनंदपूर्वक 'ज''ज'' नये 'जजीवन की सी चाल चलेंगें 'जा' 'ज''ज''[38] हमारे स्वामी और मुक्तिदाता , यीशु मसीह के पवित्र नाम में, आमीन 'जा'

ववरण

1. देखें 1 कुरिन्थियों 15:55; मुसायाह 16:8. ।
2. 1 पतरस 1:3; अतिरिक्त महत्व. ।
3. 1 थिस्सलुनीकियों 4:18; और देखें पद 13–17. ।
4. याकूब 4:12. ।
5. 2 नफी 25:26. ।
6. अलमा 34:10, 15. ।
7. इफिसियों 3:18–19. ।
8. सिद्धान्त और अनुबंध 93:28. ।
9. सच में हम 'ज''ज''छोटे बच्चे है, और....अभी तक नही समझे की पिता के हाथों में कितनी महान आशीषें है और हमारे लिये तैयार है 'ज''ज'' (सिद्धान्त और अनुबंध 78:17). ।
10. रोमियों 3:23. ।
11. 1 नफी 15:34; 1 नफी 10:21; मूसा 6:57. ।
12. मुसायाह 2:21. ।
13. देखें अलमा 42:15. ।
14. अलमा 34:15. ।
15. देखें यशायाह 1:18. ।
16. 1 टिमोथी 2:6. ।
17. देखें 2 पतरस 1:11. ।
18. सिद्धान्त और अनुबंध 76:56. ।
19. देखें सिद्धान्त और अनुबंध 76:59. ।
20. देखें सिद्धान्त और अनुबंध 84:38. ।
21. मुसायाह 27:25. ।
22. मारोनी 10:32. ।
23. देखें ईथर 12:27. ।
24. देखें लूका 7:36–50; अतिरिक्त महत्व. ।
25. मसीह का फरीसी और कर एकत्रित करने वाले का दृष्टांत इस विषय की सफाई से व्याख्या देता है (देखें लूका 18:9–14). ।
26. देखें प्रस्तिों के काम 20:28. ।
27. रोमियों 6:1–2. ।
28. मुसायाह 5:2. ।
29. सिद्धान्त और अनुबंध 121:45. ।
30. देखें यहून्ना 7:17. ।
31. 2 नफी 25:23; अतिरिक्त महत्व. ।
32. मत्ती 26:41; और देखें रोमियों 7:19. ।
33. 2 नफी 4:17. ।
34. 2 नफी 4:19–35: अलमा 34:31. ।
35. 2 नफी 25:23. ।
36. देखें 3 नफी 9:19–20. ।
37. 1 कुरिन्थियों 2:9. ।
38. रोमियों 6:4. ।

© 2015 Intellectual Reserve, Inc. द्वारा सर्वाधिकार सुरक्षित । भारत में छपी । अंग्रेजी अनुमति : 6/14 । अनुवाद अनुमति : 6/14 । *Visiting Teaching Message, May 2015* का अनुवाद । Hindi । 12865 294